श्री. समवायाङ्गसूत्रकी विषयानुक्रमणिका

अनुक्रमाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
१	मङ्गलाचरण	१–२
२	अवतरणिका	३–८
	पहला समवाय	
३	बारह प्रकारके गणिपिटक का निरूपण	९–११
४	आत्मा अनात्मा के स्वरूप का निरूपण	११–१९
५	आत्मा के क्रियात्व अथवा अक्रिय आदिका निरूपण	२०–२१
६	लोकालोक का निरूपण	२१–२२
७	धर्माधर्म का निरूपण	२३–२४
८	पापपुण्ण का निरूपण	२५–२८
९	बंधमोक्ष का निरूपण	२९–३४
१०	आस्रव और संवर का निरूपण	३५–३६
११	वेदना और निर्जरा का निरूपण	३७–३८
१२	सप्तसूत्रीद्वारा आश्रय विशेष का निरूपण	३९–४०
१३	चार गति के आश्रयी रहनेवाले जीवों की स्थिति आदि धर्म का निरूपण	४१–४६
१४	देवों के स्थित्यादि का निरूपण	४७–५०
	दूसरा समवाय	
१५	दंडादिका निरूपण	५०–५१
१६	दोसंख्या विशिष्ट देवादिको की स्थिति का निरूपणम्	५३–५४
१७	तीन संख्याविशिष्ट तीसरा समवाय में तीन प्रकार के दण्डादिका निरूपण	५५–६०
१८	तीसरा समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण	६१–६४
१९	चौथे समवाय में कषायादि का निरूपण	६५–७०
२०	चौथे समवायमे नारकियों की स्थित्यादि का निरूपण	७१–७२
२१	पांचवे समवाय में क्रियादि का निरूपण	७३–७७
२२	पांचवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण	७८–८०
२३	छट्ठे समवाय में लेश्यादि का निरूपण	८१–८८
२४	छट्ठेसमवाय में नारकियों की स्थित्यादि का निरूपण	८९–९०
२५	सातवे समवाय में इहलोकभय परलोकभय का निरूपण	९१–९८

२६ सातवे समवाय में नारकियों आदि के स्थित्यादिका निरूपण ९९-१०३
२७ आठवे समवाय में मदस्थानादि का निरूपण १०४-१११
२८ नव वे समवाय में नव ब्रह्मचर्य गुप्ति आदि का निरूपण ११२-११८
२९ नव वे समवाय में नारकिकों की स्थित्यादि का निरूपण ११९-१२४
३० दशवे समवाय में श्रमणधर्मादि का निरुपणम् १२५-१३२
३१ दशवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण १३३-१३७
३२ ग्यारहवे समवाय में ग्यारह उपासक प्रतिमादिका निरूपण १३८-१४६
३३ ग्यारहवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण १४७-१४८
३४ बारह वे समवाय में भिक्षुप्रतिमा आदिका निरूपण १४९-१६५
३५ बारहवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण १६५-१६७
३६ तेरहवे समवाय में तेरह क्रियास्थानादिका निरूपण १६७-१७२
३७ तेरहवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण १७३-१७५
३८ चोदहवे समवाय में चौदह जीवसमूह का निरूपण १७५-१९०
३९ चौदह वे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूगण १९१-१९३
४० पंद्रहवे समवाय में पंद्रह परमाधर्मिकों का निरूपण १९३-२०४
४१ पंद्रहवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण २०५-२०७
४२ सोलहवे समवाय में गाथा षोडषादि का निरुपण २०७-२१५
४३ सोलहवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण २१५-२१७
४४ सतरहवें समवाय में सतरह असंयमादि का निरूपण २१७-२२०
४५ सतरहवे समवायमें जंधाचारणादि मुनियो के गत्यादिका निरूपण २२०-२२८
४६ सतरहवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण २२९-२३१
४७ अठारहवे समवाय अठारह प्रकार के ब्रह्मचर्यादिका निरूपण २३१-२३६
४८ अठारहवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिक निरूपण २३६-२३८
४९ उन्नीसवे समवाय में उन्नीसज्ञाताधर्मकथा आदिका निरूपण २३९-२४४
५० उन्नीसवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण २४५-२४६
५१ वीसवे समवाय में बीस असमाधि स्थानादिका निरूपण २४७-२५१
५२ वीसवे समवायमें नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण २५१-२५३
५३ एकवीसवे समवायमें एकवीसशबलादि का निरूपण २५३-२६२

५४ इक्कीस वे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण २६२–२६४
५५ बाईस वे समवायमें बाईस परीषहादिका निरूपण २६४–२७४
५६ बाईस वे समवायमें नारकियों केस्थित्यादिका निरूपण २७५–२७७
५७ तेईस वे समवाय में सूत्रकृताङ्ग के अध्ययनादिका निरूपण २७८–२८०
५८ तेईसवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण २८०–२८१
५९ चोव्वीसवे समवाय में चोईस तीर्थङ्करों का निरूपण २८२–२८५
६० चौव्वीसवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण २८५–२८७
६१ पच्चीसवे समवाय में पांच महाव्रत की पचीस भावना आदि का निरूपण २८७–२९९
६२ पच्चीसवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण ३००–३०१
६३ छव्वीस वे समवायमें दशाश्रुतादि के अध्ययनादिका निरूपण ३०२–३०४
६४ सत्ताईस वे समवायमें अनगार के गुणों आदिका निरूपण ३०५–३१२
६५ सत्ताईस वे समवाय में नारकियों के स्थित्यादिका निरूपण ३१३–३१४
६६ अट्ठाईसवे समवाय में आचारकल्पादिका निरूपण ३१५–३२६
६७ अट्ठाईसवे समवाय में नैरयिकों की स्थितिका निरूपण ३२७–३२८
६८ उन्तीसवे समवाय में पापश्रुतका निरूपण ३२९–३३३
६९ उन्तीसवे समवाय में नारकियोंके स्थित्यादिका निरूपण ३३४–३३६
७० तीसवे समवाय में मोहनीय स्थान का निरूपण ३३७–३५२
७१ तीसवे समवाय में तीस मुहूर्त्त के नाम का निरूपण ३५३–३५६
७२ इकतीस वे समवाय में सिद्धादिकों के गुणों का निरूपण ३५७–३६२
७३ इकतीसवे समवाय में नारकियों के स्थित्यादि का निरूपण ३६३–३६५
७४ बत्तीसवे समवाय में योग संग्रहादिका निरूपण ३६५–३७१
७५ बत्तीसवे समवायमें नैरयिकों की स्थितिका निरूपण ३७१–३७३
७६ तेंतीस वे समवाय में तेत्तीस आशातना दोषका निरूपण ३७३–३८२
७७ तेंतीस वे समवाय में सूर्यमंडलका निरूपण ३८३–३०७
७८ तेंतीस वे समवाय में नारकियों की स्थिति का निरूपण ३८७–३८९
७९ चौंतीस वे समवाय में तीर्थकरों के अतिशय का निरूपण ३८९–३९८
८० चौंतीस वे समवाय में चक्रवर्त्यादि का निरूपण ३९९–४००
८१ पैंतीस वे समवायमें सत्यवचन के अतिशय का निरूपण ४०१–४०२

८२ छत्तीस वे समवाय में उत्तराध्ययन के अध्ययन आदि के नाम का निरूपण ४०३–४०४
८३ सैंतीस वे समवाय में सत्तरहवे तीर्थंकर कुंथुनाथ भगवान के गण और गणधर आदि का निरूपण ४०५–४०६
८४ अडतीस वे समवाय मे पार्श्वनाथ अर्हत के गण और गणधर आदि का निरूपण ४०६–४०८
८५ उनचालीस वे समवाय में अवधिज्ञानियों की संख्या आदि का निरूपण ४०८–४१०
८६ चालीस वे समवाय में अरिष्टनेमि अर्हत के साध्वि आदि का निरूपणम् ४११–४१२
८७ इगतालीस वे समवाय में नमिनाथ अर्हत के साध्विकायें आदिका निरूपण ४१२–४१३
८८ बयालीसवे समवाय में श्रमण भगवान् महावीर के श्रामण्य पर्यायादिका निरूपण ४१३–४२३
८९ तेंतालीस वे समवाय में कर्मविपाकके अध्ययनादि का निरूपण ४२३–४२५
९० चौवालीस वे समवाय में ऋषिभाषित अध्ययनका निरूपण ४२५–४२६
९१ पैतालीसवे समवाय में समय क्षेत्रादिका निरूपण ४२७–४२९
९२ छियालीस वे समवाय में दृष्टिवाद के स्वरूपका निरूपण ४२९–४३०
९३ सैंतालीस वे समवाय में प्रवचन मातृका के अक्षरादि का निरूपण ४३१–४३२
९४ अडतालीस वे समवाय में चक्रवर्त्ती के नगरादि का निरूपण ४३३–४३४
९५ उनचास वे समवाय में भिक्षुप्रतिमा आदिका निरूपण ४३४–४३६
९६ पचासवे समवाय में वीसवे मुनिसुव्रत नाथ के साध्वि आदिका निरूपण ४३६–४३९
९७ इक्यावन वे समवाय का निरूपण ४३९–४४१
९८ बावनवे समवाय में मोहनीयकर्म के बावन नामादिका निरूपण ४४२–४४६
९९ तिरपनवे समवाय में देवकुरु उत्तरकुरुक्षेत्रके जीवा आदिका निरूपण ४४६–४४९

१००	चौवन संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४४९–४५०
१०१	पचपन संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४५१–४५५
१०२	छप्पन संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४५५–४५६
१०३	सत्तावन संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४५६–४५९
१०४	अठावन संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४६०–४६२
१०५	उनसठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४६२–४६४
१०६	साठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४६४–४६६
१०७	इकसठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४६६–४६९
१०८	बासठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४७०–४७५
१०९	तिरसठ संख्याविशिष्ट समवायका निरूपण	४७६–५७८
११०	चौसठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४७८–४८२
१११	पैंसठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	३८२–४८३
११२	छासठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४८३–४८५
११३	सरसठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४८५–४९३
११४	अडसठ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४९३–४९७
११५	उनहत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	४९७–५०१
११६	सत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५०१–५०५
११७	इकोत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५०६–५०९
११८	बहत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५०९–५२३
११९	तिहोत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५२४–५२५
१२०	चौहत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५२५–५२८
१२१	पचहत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५२८–५२९
१२२	छियोत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	–५३०
१२३	सतहत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५३०–५३४
१२४	अठहत्तर संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५३५–५३९
१२५	उन्नासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५४०–५४३
१२६	अस्सी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५४४–५४५
१२७	इक्कासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५४६–५४७
१२८	बयासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५४८–५५०
१२९	तिरासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५५१–५५२

१३०	चौरासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५५३–५६०
१३१	पचासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५६१–५६४
१३२	छियासी संख्याविशिष्ट समवायका निरूपण	५६४–५६५
१३३	सत्तासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५६६–५६९
१३४	अट्ठासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५७०–५७३
१३५	नवासी संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५७३–५७५
१३६	नव्वे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५७५–५७८
१३७	इकाणवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५७८–५८६
१३८	बानवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५८७–५९०
१३९	तिरानवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५९१–५९२
१४०	चौराणवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५९३-५९४
१४१	पंचाणवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५९४–५९६
१४२	छयानवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५९७–५९८
१४३	सतानवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	५९९–६०१
१४४	अठानवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६०२–६०३
१४५	नन्नानवे संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६०६–६१०
१४६	सौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६११–६१४
१४७	एकसौ पचास संख्या विशिष्ट समवाय का निरूपण	–६१४
१४८	दो सौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	–६१५
१४९	अढाई सौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	–६१६
१५०	तीनसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६१६–६१८
१५१	साढे तीनसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	–६१८
१५२	चारसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६१९–६२०
१५३	साढे चारसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६२०–६२१
१५४	पांचसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६२१–६२४
१५५	छहसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६२५–६२६
१५६	सातसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६२७–६२८
१५७	आठसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६२९–६३१
१५८	नवसौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६३२–६३३
१५९	एक हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण	६३४–६३९

१६० ग्यारह सौ संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४०
१६१ दो हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४०
१६२ तीनहजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण ६४१–६४२
१६३ चार हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४२
१६४ पांचहजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४३
१६५ छह हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४४
१६६ सात हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण ६४४–६४५
१६७ आठ हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण ६४५–६४६
१६८ नव हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण ६४६–६४७
१६९ दश हजार संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४७
१७० एक लाख संख्याविशिष्ट और दो लाख संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४८
१७१ तीनलाख और चार लाख संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६४९
१७२ पांचलाख संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६५०
१७३ छह और सात लाख संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६५१
१७४ आठ लाख और दसलाख संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६५२
१७५ एक करोड संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण ६५३–६५४
१७६ सागरोपम कोटाकोटि संख्याविशिष्ट समवाय का निरूपण –६५५
१७७ द्वादशांग के स्वरूप का निरूपण –६५६
१७८ द्वादशअंगो में प्रथम अंग आचारांग के स्वरूप का निरूपण ६५७–६७६
१७९ दूसरेअंग सूत्रकृतांङ्ग के स्वरूप का निरूपण ६७६–७०१
१८० तीसरेअंग स्थानांग के स्वरूप का निरूपण ७०१–७०८
१८१ चतुर्थाङ्ग समवायाङ्ग के स्वरूप का निरूपण ७०९–७२२
१८२ पांचवे अङ्ग व्याख्याप्रज्ञप्ति (भगवती) के स्वरूप का निरूपण ७२३–७३५
१८३ छठवे अङ्ग ज्ञाताधर्मकथाङ्ग के स्वरूप का निरूपण ७३६–७६०
१८४ सातवे अङ्ग उपासक दशाङ्ग के स्वरूप का निरूपण ७६१–७७२
१८५ आठवे अङ्ग अन्तकृतदशाङ्ग के स्वरूप का निरूपण ७७३–७८२
१८६ नव वे अङ्ग अनुत्तरोपपातिकदशाङ्ग के स्वरूप का निरूपण ७८३–७९५

१८७ दशवे अङ्ग प्रश्नव्याकरण के स्वरूप का निरूपण ७९६–८०७
१८८ ग्यारह वे अङ्ग विपाकश्रुत का निरूपण ८०७–८३३
१८९ आचाराङ्गादि ग्यारह अंगो के पदसंख्या दर्शक कोष्टक –८३४
१९० बारह वे अंग दृष्टिवाद के स्वरूप का निरूपण ८३५–८७६
१९१ बारह वे अंग की विराधना से और आराधना से क्या फल होता है उनका निरूपण ८७५–८८८
१९२ जीवराशी और अजीवराशी का निरूपण ८८९–९९२
१९३ असुरकुमारादिकों के आवासादिक का निरूपण ८९२–९४२
१९४ नैरयिक जीवों की स्थिति का निरूपण ९४२–९५१
१९५ नारकादि जीवों के अवगाहना का निरूपण ९५१–१००६
१९६ अवधिज्ञान के स्वरूप का निरूपण १००६–१०२०
१९७ जीवों के आयुबन्ध के स्वरूप का निरूपण १०२१–१०३३
१९८ जीवों के संस्थान संहनन वेदादि के स्वरूपका निरूपण १०३४–१०५०
१९९ समवसरण के स्वरूप का निरूपण १०५०–१०५१
२०० कुलकरों के महापुरुषों के नामादि निरूपण १०५२–१०५३
२०१ तीर्थंकर के पिता आदि के नामका निरूपण १०५३–१०७६
२०२ तीर्थंकर के प्रथम भिक्षा दाताओं के नामका निरूपण १०७६–१०७७
२०३ तीर्थंकरों के चैत्यवृक्ष के नामका निरूपण १०७७–१०८०
२०४ तीर्थंकरों के प्रथम शिष्य के नामका निरूपण १०८१–१०८३
२०५ तीर्थंकरों के प्रथम शिष्यों के नामका निरूपण १०८३–१०८५
२०६ बारह चक्रवर्त्तियों के नामका निरूपण १०८५–१०८६
२०७ बारह चक्रवर्त्तियों के माताओं के नामका निरूपण १०८७–१०८८
२०८ चक्रवर्त्तियों के और उनके स्त्रियों के नामका कथन १०८८–१०९०
२०९ बलदेव और वासुदेवों के मातापिताओं के नामका कथन १०९०–१०९३
२१० गुणनिर्देश पूर्वक बलदेव और वासुदेव के नामका कथन १०९४–१११०
२११ बलदेव और वासुदेव के पूर्वभवीय नामका कथन ११११–१११२
२१२ बलदेव और वासुदेव के ९नव धर्माचार्य के नामका निरूपण १११३–१११४

२१३ नव वासुदेवों के निदानभूमिके नाम का निरूपण ११११४–१११९
२१४ चौव्वीस तीर्थंकरों के नामका निरूपण ११११९–११२२
२१५ भविष्य कालके सात कुलकरों के नाम का कथन ११२२–११२४
२१६ भविष्य काल के चौव्वीस तीर्थंकरों के नामका निरूपण ११२४–११२६
२१७ भविष्यकाल के चौव्वीस तीर्थंकरों के पूर्वभव के चौव्वीस नामका कथन ११२७–११३२
२१८ भविष्य काल के चक्रवर्त्तियों के नामका निरूपण ११३२–११३४
२१९ भविष्यकाल के बलदेल वासुदेव के मातापिता के नामका कथन ११३४–११४०
२२० भविष्य काल के तीर्थंकरों के होने वाले नामका कथन ११४०–११४३
२२१ भविष्य काल के बारह चक्रवर्त्तियों के नामका कथन ११४४–११४७
२२२ इस अधिकृतशास्त्र–समवाङ्गसूत्र के गुणनिष्पन्न नामका कथन ११४७–११५२
२२३ शास्त्रप्रशस्ति ११५३–११५४

समाप्त